वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 35 | गुरुवार 30 मई 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

चौमूं में अनुज ने किया टॉप, 99% अंक किए प्राप्त

छात्राएं छात्रों से रहीं आगे, टॉपरों का माला पहनाकर किया स्वागत

जयपुर. शाबाश इंडिया। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की ओर से दसवीं बोर्ड का रिजल्ट जारी कर दिया गया है। चौमूं उपखंड इलाके में भी माध्यमिक शिक्षा बोर्ड दसवीं का परिणाम जारी होने के बाद छात्र-छात्राओं में खुशी की लहर है। और परिणाम जारी होने के बाद छात्र-छात्राओं को स्कूल प्रशासन की ओर से भी बधाई दी जा रही है। चौमूं के राधा स्वामी बाग स्थित एशियन सीनियर सेकेंडरी स्कूल के स्टूडेंट अनुज देवंदा पुत्र कालूराम देवंदा ने चौमूं उपखंड इलाके में 99 अंक लाकर टॉप किया है। वहीं अनुज के पिता जैतपुरा स्थित ट्रांसफार्मर बनाने की फैक्ट्री संचालित करते हैं और माता ग्रहणी हैं। वहीं न्यू साइन इंटरनेशनल स्कूल की छात्रा क्रिस्टी इंदौरा ने 96.83 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं। रिजल्ट आने के बाद शहर के निजी और सरकारी स्कूलों में टॉपर विद्यार्थियों का स्कूल प्रशासन की ओर से माला पहनाकर और मिठाई खिलाकर भव्य स्वागत किया गया।

राजस्थान में आज भी हीट वेव का अलर्ट

ग्यारह जिलों में हो सकती है बरसात, 1 जून से थमेगा हीटवेव का दौर

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान में आज भी हीट वेव का ऑरेंज अलर्ट है। वहीं, पिछले दो सप्ताह से तेज गर्मी की मार झेल रहे लोगों को 31 मई से राहत मिलने की उम्मीद है। मौसम केन्द्र जयपुर ने 31 मई को राज्य के 11 जिलों में तेज आंधी चलने के साथ कहीं-कहीं हल्की बारिश होने की संभावना जताई है। इसके साथ ही 1 जून से प्रदेश में हीट वेव का दौर थमेगा। तापमान में गिरावट होने और 8 से 10 जिलों में आंधी-बारिश होने की संभावना है। पिछले 24 घंटे की स्थिति देखें तो राज्य के 17 शहरों में कल दिन का अधिकतम तापमान 45 डिग्री सेल्सियस या उससे ऊपर दर्ज हुआ। सबसे ज्यादा गर्मी कल पिलानी में रही, जहां का न्यूनतम तापमान 48.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। अलवर, निवाई (टोंक), फलोदी, चूरू, धौलपुर, करौली, फतेहपुर, हनुमानगढ़, गंगानगर, बीकानेर और जालोर में भी तेज गर्मी रही, यहां का अधिकतम तापमान 46 से 47 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज हुआ।

भरतपुर-धौलपुर में आंधी

बुधवार को दोपहर करीब 3 बजे बाद भरतपुर, धौलपुर के एरिया में अचानक मौसम बदल गया। यहां आसमान में बादल छाने के बाद तेज धूलभरी आंधी चली और कई जगह हल्की पानी की बौछारें गिरी। मौसम में हुए इस बदलाव से यहां लोगों को सूरज की तेज तपन से कुछ समय के लिए राहत मिली। मौसम केन्द्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया- आज राज्य के पश्चिमी और उत्तरी हिस्सों में तेज गर्मी का प्रकोप रहेगा। झुंझुनूं, बीकानेर, चूरू, हनुमानगढ़, जैसलमेर और गंगानगर जिलों में आज दिन में हीट वेव चल सकती है, इसे देखते हुए यहां ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। जबकि सीकर, जोधपुर, अलवर, भरतपुर, दौसा,

करौली, और धौलपुर जिलों में गर्मी का येलो अलर्ट जारी किया है।

आज 30 मई को 10 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट

निदेशक ने बताया कि 31 मई को राजस्थान में एक वेस्टर्न डिस्टर्बेंस एक्टिव होगा, जिसका प्रभाव राज्य के पूर्वी और उत्तरी हिस्सों में 2 जून तक देखने को मिलेगी। 31 मई को इस सिस्टम के प्रभाव से भरतपुर, करौली, धौलपुर, सवाई माधोपुर, दौसा, अलवर, जयपुर, सीकर, नागौर के अलावा चूरू और झुंझुनूं में धूलभरी आंधी चलने के साथ कहीं-कहीं मेघर्गजना, बारिश हो सकती है। निदेशक ने बताया कि चूरू, झुंझुनूं के एरिया में 40 से 50डट स्पीड तक तेज सरफेस हवाएं चलने की संभावना है। 1 जून को भी इस सिस्टम का असर भरतपुर, करौली, धौलपुर, सवाई माधोपुर, दौसा, अलवर, जयपुर, सीकर, नागौर, झुंझुनूं में देखने को मिल सकता है। 2 जून को इस सिस्टम का असर भरतपुर, करौली, धौलपुर, सवाई माधोपुर, दौसा, अलवर, जयपुर, सीकर, नागौर, झुंझुनूं के अलावा चूरू, हनुमानगढ़, गंगानगर, बीकानेर जिलों में भी देखने को मिल सकता है। इस दौरान प्रदेश के लगभग सभी शहरों में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज हो सकता है।

सरकार के आदेश के बाद जागा नगर निगम हेरिटेज

स्बदहाल फायर फाइटिंग सिस्टम वाले 21 भवनों से जुर्माना वसूल की खानापूर्ति

जयपुर. कासं

गुजरात की राजकोट में हुए अग्निकांड हादसे के बाद राजस्थान में भी शासन प्रशासन एक्टिव मोड में आ गया है। मुख्य सचिव सुधांश पंत के आदेश के बाद प्रदेशभर में नगर निगम और नगर पालिका द्वारा फायर सेफ्टी को लेकर सघन जांच अभियान शुरू कर दिया गया है। लेकिन जयपुर नगर निगम हेरिटेज में सरकार का यह आदेश महज खानापूर्ति साबित हो रहा है। क्यों कि फायर फाइटिंग सिस्टम में कमियों के बावजूद नगर निगम हेरिटेज की टीम 21 स्थानों पर जुर्माना वसूल लौट गई। जबकि इन सभी भवन मालिकों को नगर निगम द्वारा इससे पूर्व में भी कई बार फायर फाइटिंग सिस्टम दुरुस्त करने के लिए नोटिस जारी हो चुके है। दरअसल, बुधवार को नगर निगम फायर शाखा की टीम ने शहर में गेम जोन, अस्पताल, कमर्शियल भवन समेत 50 स्थानों निरीक्षण किया था। जिनमें OTH बिस्ट्रो बेकर्स, नापोली जयपुर, मसाला मिस्ट्री, रिफलेट किचन, क्रिस्टल कैफे, होटल विजय, प्रेम गार्डन जोरावर सिंह गेट, डी मार्क सुभाष चौक, वैक्स म्यूजियम गोविंद नगर, होटल विंड आमेर समेत 21 भवनों में फायर सेफ्टी उपकरणों में कमियां मिली है जिसके बाद फायर शाखा की टीम ने सभी 21 भवनों के खिलाफ पांच - पांच हजार रुपए का चालान किया है। इसके साथ ही उनके भवन मालिक को जल्द कमियां सुधारने के निर्देश भी दिए गए हैं। ऐसे में अगर जल्द से जल्द इन कमियों को नहीं सुधारा गया। तो नगर निगम द्वारा सभी भवनों के खिलाफ सीज की कार्रवाई को अंजाम दिया जाएगा। हालांकि नगर निगम हेरिटेज की यह कार्रवाई महज खानापूर्ति साबित हुई। क्यों कि 21 से ज्यादा भवनों में फायर फाइटिंग सिस्टम में खामियां थी। बावजूद इसके किसी को भी सीज नहीं किया गया। ऐसे में अगर सुधार

करने तक या उससे पहले तक किसी भी भवन में कोई हादसा या आगजनी की घटना होती है। तो इसके लिए आखिर कौन जिम्मेदार होगा। इस बारे में इन नगर निगम के अधिकारी शायद सोचना भूल गए। इस पूरे मामले पर हमने नगर निगम के फायर शाखा उपायुक्त युगांतर शर्मा से उनका पक्ष जानने की कोशिश की। लेकिन उनसे संपर्क नहीं हो पाया।

46 दिगम्बर जैन मंदिरों में चल रहे ग्रीष्मकालीन श्रमण संस्कृति संस्कार शिक्षण शिविरों का हुआ स्थानीय समापन

गुरुवार को होगी रत्नाकर अवार्ड परीक्षा, सामूहिक समापन एवं सम्मान समारोह शनिवार 1जून को बिड़ला ऑडिटोरियम में

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्रमण संस्कृति संस्थान के अन्तर्गत संचालित संत सुधासागर आवासीय कन्या महाविद्यालय एवं अखिल भारतीय श्रमण संस्कृति महिला महासमिति द्वारा श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति के सहयोग से शहर के 46 दिगम्बर जैन मंदिरों में गत 15 मई से चल रहे 15 दिवसीय ग्रीष्मकालीन धार्मिक शिक्षण शिविरों का सभी मंदिरों में समापन हुआ। इस मौके पर शिविरार्थियों को सम्मानित किया गया। श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति की अंचल अध्यक्ष शालिनी बाकलीवाल के मुताबिक इन

शिविरों में पढ़ाए गये विषयों की हुई परीक्षा में उत्तीर्ण हुए प्रशिक्षणार्थियों को स्थानीय मंदिर कमेटियों द्वारा बुधवार 29 मई को आयोजित समापन समारोह में पुरस्कृत किया गया । इस मौके पर आचार्य विद्या सागर महाराज पर लघु नाटिका की प्रस्तुति भी दी गई। जनकपुरी दिगम्बर जैन मंदिर के अध्यक्ष पदम चन्द बिलाला ने बताया कि जनकपुरी दिगम्बर जैन मंदिर में आयोजित समापन समारोह में शीला डोड्या मुख्य अतिथि एवं विनिता जैन तथा संस्थान के मंत्री सुरेश कासलीवाल थे। बापूनगर के समापन समारोह में भी शीला डोड्या ने सहभागिता की जहाँ मन्दिर समिति द्वारा उनका सम्मान किया गया । प्रचार प्रसार संयोजक विनोद जैन कोटखावदा के मुताबिक हर मंदिर से हर विषय में प्रथम आने वाले प्रशिक्षणार्थियों की पुनः परीक्षा गुरुवार 30 मई को संत सुधासागर आवासीय कन्या महाविद्यालय में पं रतन लाल बैनाडा की स्मृति में रत्नाकर पुरस्कार हेतु होगी जिसका पुरस्कार 2100/-व शील्ड संस्थान द्वारा दी जाएगी। प्रत्येक शिविर स्थल पर बुधवार 29 मई को आयोजित आचार्य विद्या सागर महाराज के जीवन से संबंधित विषयों अथवा संस्मरणों पर 10मिनट की प्रस्तुति में से सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति को एवं अधिकतम प्रशिक्षणार्थियों की संख्या, अधिक विषयों का पाठन के आधार पर तीन श्रेष्ठ मंदिरों को बिड़ला आडिटोरियम में 01 जून को होने वाले सामूहिक समापन समारोह में पुरस्कृत किया जाएगा। धार्मिक मंत्री विनिता जैन एवं विद्युत लुहाडिया के मुताबिक इन शिक्षण शिविरों का सामूहिक समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह शनिवार, 01 जून को बिड़ला आडिटोरियम में सायंकाल 7.00 बजे से होगा। इस मौके पर शिविरार्थियों को सम्मानित किया जाएगा।

धार्मिक संस्कार शिक्षण शिविर हीरा पथ जैन मंदिर में बड़े ही उत्साह के साथ समापन हुआ

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति प्रथम संभाग की अध्यक्ष तारा मणि गोधा जैन ने बताया कि संत श्री सुधा सागर आवासीय कन्या महाविद्यालय के तत्वावधान में आयोजित श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति के सहयोग से आचार्य श्री विद्यासागर जी के उत्कृष्ट त्याग तपस्या को समर्पित उपकार महोत्सव के अंतर्गत धार्मिक संस्कार शिक्षण शिविर हीरा पथ जैन मंदिर में बड़े ही उत्साह के साथ समापन हुआ इस अवसर पर छोटे छोटे बच्चों द्वारा आचार्य श्री विद्यासागर जी के जीवन के संस्मरण पर लघु नाटिका प्रस्तुत की। ब्रह्मचारी भैया दीपक राज जी विदुषी आस्था खुशबू शैल दीदी जिन्होंने 15 मई से 28 मई तक बड़े बच्चों को धार्मिक ज्ञान प्राप्त कराया दोनों दीदी ने बहुत ही वात्सल्य भाव से संस्कार दिए। मंदिर अध्यक्ष श्रीमान सुभाष जी व उनकी कमेटी और पूरे हीरा पथ समाज का हमें सहयोग प्राप्त हुआ। संयोजिका कांता पाटनी प्रीति छाबडा जोली लावण्या ने शिविर को सफल बनाने में महती भूमिका निभाई । पारस संगीता (पार्षद) हंसराज रूपा लुहाड़िया उत्तम पंकज बोहरा सुंधाशु रिचा द्वारा सभी बच्चों को पारितोषिक देकर उनका मनोबल बढ़ाया।

जैन सोशल ग्रुप जनक का ग्रीष्मकालीन कार्यक्रम संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन सोशल ग्रुप जनक का ग्रीष्मकालीन प्रोग्राम रिवर आर्च ग्रीनफील्ड रिसोर्ट अचरोल में गोवा थीम पर संपन्न हुआ। जनक ग्रुप के जॉइट सेक्रेटरी नरेश जैन ने बताया कि रविवार दोपहर 1:00 बजे जनक परिवार के सभी सदस्य रिसोर्ट में पहुंचे। जहां पर विभिन्न तरह के प्रोग्राम आयोजित किए गए। अध्यक्ष रश्मि जैन ने बताया

कि सभी मेंबर्स ने वाटर पार्क में खूब मस्ती की, इसके बाद ग्रुप के सभी सदस्यों के लिए हाऊजी गेम आयोजित किया गया एवं क्रिकेट, टेबल टेनिस खेल में सदस्यों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। सेक्रेटरी मनोज जैन ने बताया कि गर्मी को देखते हुए वाटर पार्क का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम समापन के अवसर पर पर स्वादिष्ट एवं लजीज डिनर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संस्थापक अध्यक्ष विमलेश राणा,पूर्व अध्यक्ष नवीन जैन, एडवोकेट राजेश काला, रोहित पाटनी, विकास जैन, गजेंद्र पाटनी, अनिल जैन ,संजय पाटनी एडवोकेट धर्मेंद्र जैन ,अक्षय जैन सहित ग्रुप के सदस्यगण उपस्थित थे।

"दिमागी कसरत वाले गेम्स के साथ मनाया संगिनी कैपिटल फोरम ने समर फंगामा"

जयपुर. शाबाश इंडिया

संगिनी कैपिटल फोरम द्वारा प्राईम सफारी में समर फंगामा कार्यक्रम आयोजित किया गया। सचिव अलका जैन ने बताया कि कार्यक्रम की शुरूआत णमोकार महामंत्र से हुई, तत्पश्चात सभी सदस्याओं ने आकर्षक ताश की हाउजी का स्वादिष्ट स्नैक्स के साथ आनंद उठाया। अध्यक्ष शकुंतला पांड्या व संस्थापक अध्यक्ष विनीता जैन के अनुसार फंगामा कार्यक्रम में सभी सदस्याओं ने दिमागी कसरत वाले पांच गेम बड़े उत्साह व आनंद के साथ खेले, जिसमें प्रीति बाकलीवाल, दीप्ति, शोभना लौंग्या, ,किरन निगोतिया व चित्रा विजेता रहीं। उसके बाद गानों पर डांस करते हुए संगिनीयों ने म्यूजिकल राउंड खेला जिसमें अनिता जैन व रीटा सौगानी विजेता रहीं। सभी संगिनी सदस्याएं व्हाइट एंड ब्लैक ड्रेस कोड में आईं थीं। कार्यक्रम को सफल बनाने में निर्वतमान अध्यक्ष मीना चौधरी, पूर्व अध्यक्ष समता गोदिका,हेमा सौगानी तथा पदाधिकारी नलिनी जैन, सुनीता काला, सुनीता पाटोदी,कार्यकारिणी सदस्याएं मंजू गंगवाल, पिंकी जैन, सपना गोदिका व मंजू बज ने पूरा सहयोग दिया।

श्याम बाबा की भक्ति का जमेगा रंग, प्रवाहित होंगी भजनों की सरिता

शास्त्रीनगर स्थित श्री श्याम मंदिर के 27वें वार्षिकोत्सव पर विविध आयोजन

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। लाखों भक्तों की आस्था के केन्द्र भीलवाड़ा के शास्त्रीनगर सी सेक्टर स्थित श्री श्याम मंदिर के 27वें वार्षिकोत्सव पर 30 मई गुरूवार को श्री श्याम मंदिर सेवा मण्डल समिति द्वार भक्ति से ओतप्रोत विविध आयोजनों के माध्यम से श्याम बाबा की आराधना कर अपनी श्रद्धा-भक्ति उनको समर्पित की जाएगी। शास्त्रीनगर सी सेक्टर पार्क स्थित श्री श्याम मंदिर में होने वाले इन आयोजनों से जुडी तैयारियां पूरी कर ली गई है। मंदिर के संस्थापक अध्यक्ष मनोज अग्रवाल बताया कि वार्षिकोत्सव के अवसर पर अखंड ज्योत प्रज्वलित करने के साथ श्याम बाबा की प्रतिमा का विशेष श्रृंगार कर मनोरम झांकी सजाई जाएगी। मंदिर परिसर में भी देश-विदेश से मंगाए फूलों से भव्य सजावट की जाएगी। भगवान के छप्पन भोग की झांकी सजाई जाएगी। गुरूवार सुबह 7.30 बजे शास्त्रीनगर स्थित नीलकंठ महादेव मंदिर से सी सेक्टर स्थित श्री श्याम मंदिर तक निशान पदयात्रा निकाल श्याम बाबा के श्रीचरणों में श्रद्धा के पुष्प अर्पित किए जाएंगे। इस निशान पदयात्रा में बड़ी संख्या में श्याम बाबा के भक्तगण शामिल होंगे। वार्षिकोत्सव पर रात 8 बजे से प्रभु इच्छा तक श्याम मंदिर परिसर में विशाल भजन संध्या का आयोजन होगा।

मोती कटरा बड़ा जैन मन्दिर में हुआ मेडिटेशन गुरू उपाध्यायश्री ससंघ का मंगल प्रवेश

आगरा. शाबाश इंडिया। मेडिटेशन गुरू उपाध्याय श्री विहसंतसागर जी महाराज एवं मुनिश्री विश्वसम्य सागर जी महाराज ससंघ 29 मई को आगरा के अवधपुरी कॉलोनी से अलबतिया, रामनगर की पुलिया, शंकरगढ़ की पुलिया, जयपुर हाउस, कोठी मीना बाजार,नालबंद चौराहा, आगरा कॉलेज मोती कटरा चौराहा,से होते हुए बैण्ड बाजों के साथ मंगल विहार कर मोती कटरा स्थित श्री सभंवनाथ दिगम्बर जैन बड़ा मन्दिर पहुंचे। उपाध्यायश्री के मंगल विहार के दौरान श्वेतांबर जैन साध्वी ने उपाध्याय श्री के दर्शन किए और मंगल विहार की चर्चा की। इस दौरान भक्तों ने उपाध्याय श्री का पाद प्रक्षालन एवं मंगल आरती कर भव्य अगवानी की और मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया। मंगल अगवानी के बाद उपाध्याय संघ ने मूलनायक भगवान संभवनाथ की प्रतिमा के साथ ही प्राचीन 900 प्रतिमाओं के दर्शन किए। उपाध्यायश्री के मंगल प्रवेश में भक्त जैन ध्वज एवं जयकारें लगाते हुए चल रहे थे। सायः 6:30 बड़ा जैन मंदिर मोती कटरा में उपाध्यायसंघ की गुरुभक्ति आयोजित की गईं मीडिया प्रभारी शुभम जैन ने बताया कि उपाध्याय श्री विहसंत सागर जी महाराज ससंघ का मोती कटरा जैन मन्दिर में मंगल प्रवास 31 मई तक रहेगा। तो वही 30 मई को उपाध्यायश्री के मंगल प्रवचन तार की गली जैन मन्दिर में प्रातः8:00 बजे से प्रातः9:00 तक होंगे। इस अवसर पर मन्दिर के अध्यक्ष राकेश जैन परदेवाले,अनन्त जैन, संजीव जैन,हुकुम जैन,अंकित जैन ऋषभ जैन,मोनू जैन,पंकज जैन, दीपक जैन,विजय जैन,चंद्रप्रकाश जैन, नरेंद्र जैन,मीडिया प्रभारी शुभम जैन, समस्त कलाकुंज,अवधपुरी कॉलोनी, मोती कटरा के भक्त बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। -**रिपोर्ट शुभम जैन**

वेद ज्ञान

जीवन में संस्कार

हमारे जीवन में संस्कारों की आधारशिला हमारे माता-पिता बचपन से ही रख देते हैं और फिर उसी दिशा में हमारे व्यक्तित्व का विकास होता है। हालांकि वर्तमान में अधिकांश माता-पिता अपने बच्चों को महान गणितज्ञ, वैज्ञानिक, डॉक्टर, इंजीनियर आदि बनने के लिए प्रेरित करते हैं, लेकिन यह कतई संभव नहीं है कि हर बच्चा अपने क्षेत्र में महान बने, मगर हर बच्चे को हम सत्यवादी, आज्ञाकारी, परोपकारी जरूर बना सकते हैं। प्रथम गुरु होने के नाते हर माता-पिता को अपने बच्चे को आदर्श बनने की प्रेरणा देनी चाहिए। माता-पिता को अपने बच्चों को पशु-पक्षियों से प्रेम करना, पेड़-पौधों की रक्षा करना और अपने से बड़ों का आदर करने की सीख देनी चाहिए। किसी भी बालक का चरित्र ही उसकी सबसे बड़ी पूंजी होती है और उसे जीवनपर्यंत इसकी रक्षा करनी चाहिए। चरित्रवान व्यक्ति ही समाज, राष्ट्र व विश्व का सही नेतृत्व और मार्गदर्शन कर सकता है। स्वामी विवेकानंद ने मनुष्य के चरित्र को उसका वास्तविक धन बताया है यानी चरित्र की पूर्ति धन, यश, नाम, विद्वत्ता इत्यादि में से कोई नहीं कर सकता है। स्वामी विवेकानंद कहते हैं कि यदि किसी बालक में चरित्र का निर्माण हो गया तो बाकी चीजें स्वयं हो जाती हैं। चरित्र निर्माण के लिए व्यक्ति को संतोषी स्वभाव का होना चाहिए। संतोष से तात्पर्य है कि मानव अपनी इच्छाओं और आकांक्षाओं पर नियंत्रण रखे। संस्कारी व्यक्ति हमेशा अपनी इंद्रियों को अपने नियंत्रण में रखता है, जिससे उसमें हमेशा संतोष का भाव रहता है। दूसरी ओर और ज्यादा पाने की अभिलाषा मनुष्य को भ्रष्ट बना देती है और भ्रष्ट व्यक्ति भौतिक वस्तुओं का दास बन जाता है, जबकि संस्कारी व्यक्ति इन वस्तुओं को अपना दास बनाता है। दरअसल किसी भी व्यक्ति का चरित्र उसके विचारों से बनता है। हमारे मन-मस्तिष्क में जैसे विचार आएंगे, हमारे कर्म भी वैसे ही होंगे और कर्म ही हमारे चरित्र का निर्माण करेंगे। न केवल जीते-जी, बल्कि मरणोपरांत भी व्यक्ति का चरित्र जीवित रहता है। चरित्र का निर्माण करने वाले हमारे विचारों को हमारे आस-पास का वातावरण प्रभावित करता है। यदि हम अच्छे समाज और लोगों की संगत में बैठेंगे तो हमारे विचार भी उच्च होंगे।

संपादकीय

प्रतिकूल मौसमों की मार...

भारत आजकल प्रतिकूल मौसमों की मार झेल रहा है और इसमें सबसे त्रासद मिजोरम में हुआ भूस्खलन है। चक्रवात रेमल के वार से पश्चिम बंगाल तो किसी तरह संभलने लगा है, पर पूर्वोत्तर भारत में अनेक स्थानों पर बहुत बुरी स्थिति बन गई है। खराब मौसम के चलते बचाव प्रयासों में बाधा आ रही है। रेमल के असर से बिहार में भी कई स्थानों पर बारिश हुई है और उत्तर प्रदेश में भी इसके असर की संभावना है। मिजोरम में भूस्खलन व बारिश ने आइजोल को देश के बाकी हिस्सों से काट दिया है। मौसम की मार इतनी तगड़ी है कि राष्ट्रीय राजमार्ग-6 पर आवाजाही बंद हो गई है। पूर्वोत्तर में कई जगह चट्टानों के गिरने से कई अंतरराज्यीय राजमार्ग बाधित हो गए हैं। अधिकारी इंतजाम में लगे हैं, पर नुकसान का वास्तविक आकलन भारी बारिश के थमने के बाद ही किया जा सकेगा। आइजोल के बाहरी इलाके में पत्थर की खदान के ढहने से बीस से भी ज्यादा लोगों की मौत हुई है और अनेक लोग लापता हैं। असम में भी लोगों की मौत हुई है। नदियों का जलस्तर बढ़ गया है, तो बड़ी संख्या में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाया गया है। चक्रवात रेमल ने बांग्लादेश में भी तबाही मचाई है। बांग्लादेश और भारत के पश्चिम बंगाल में लाखों लोगों को एहतियातन विस्थापित किया गया है। भारत और बांग्लादेश को अगर मिला लें, तो चालीस से ज्यादा लोगों की मौत की आशंका है। तूफान और भारी बारिश की वजह से बड़ी संख्या में लोग जख्मी हुए हैं। ज्यादातर इलाकों में विद्युत आपूर्ति बाधित है और बारिश के थमने के बाद ही आपूर्ति व्यवस्था सुधर सकती है। पश्चिम बंगाल में अकेले बिजली के 1,200 से ज्यादा खंभे गिरे हैं। तकलीफ से भरे ऐसे समय में सभी प्रभावित राज्य सरकारों को पूरी सक्रियता के साथ काम करना चाहिए। जिन लोगों ने घर-बार गंवा दिया है, उनके प्रति पूरी संवेदना होनी चाहिए। राहत कार्य में संसाधन की कमी आड़े नहीं आनी चाहिए। चक्रवात और उसके बाद बारिश के चलते कोलकाता महानगर पर भी भारी असर हुआ है। पश्चिम बंगाल के साथ ही पूर्वोत्तर के राज्यों में सड़क, रेल और हवाई यातायात प्रभावित हुआ है। समुद्री चक्रवात हमारे दौर का एक स्याह सच है, जो रह-रहकर हमें रुलाने लगा है। अतः हमें समुद्री तटों पर ऐसे इंतजाम या ऐसी बसावट के बारे में सोचना होगा, ताकि चक्रवात की स्थिति में कम से कम नुकसान हो। समुद्र तटीय इलाकों में किसी भी प्रकार के निर्माण के संबंध में मुकम्मल नीति होनी चाहिए। देश में तूफान और बारिश से अलग एक विशाल क्षेत्र ऐसा भी है, जहां पारा अपने आसमान को छू रहा है। गांवों से कहीं ज्यादा शहर के लोग परेशान हैं। कंक्रीट के जंगलों में रात के समय में गरमी से राहत नहीं मिल रही है। घर-द्वार तप रहे हैं। आगजनी की आशंका बढ़ गई है। अनेक इलाकों में तापमान 45 डिग्री सेल्सियस के पार चला गया है। अस्पतालों को उचित ही सजग और तैयार रहने के लिए कहा गया है।

परिदृश्य

दलबदल कानून

पिछले कुछ वर्षों में राजनेताओं ने दलबदल विरोधी कानून का फायदा उठाने के लिए नित नए तरीके ईजाद किए हैं। दलबदल विरोधी कानून या संविधान की दसवीं अनुसूची- 1985 में लागू किया गया था। कानून जिस उद्देश्य के लिए बनाया गया था, उसमें बहुत कम सफलता हासिल कर पाया है उलटे दसवीं अनुसूची ने उन समस्याओं को और विकट बना दिया, जिनका उसे समाधान करना था। उसने बड़े पैमाने पर दलबदल का मार्ग प्रशस्त किया। इसका मुख्य कारण राजनीतिक दलों में विभाजन और विलय को दी गई छूट थी। इन छूटों ने वास्तव में कई तरीकों से दलबदल को और सुविधाजनक बना दिया है। 2003 में, परिच्छेद 3 के तहत विभाजन वाली छूट को हटा दिया गया था। हालांकि, विभाजन और विलय इन दोनों ही अपवादों के संयुक्त उपयोग से दलबदल विरोधी कानून के क्रियान्वयन पर जो असर पड़ा, वह समझने जैसा है। लोकसभा और यूपी-हरियाणा विधानसभा के स्पीकर्स द्वारा दिए गए निर्णयों के विश्लेषण से एक पैटर्न का पता चलता है, जहां दलबदल के कारण अपात्रता से बचने के लिए विधायकों द्वारा विभाजन और विलय की छूट का उपयोग बार-बार किया गया था। इसे मोटे तौर पर ह्यविभाजन के बाद विलयह्ण कहा जा सकता है। इन उदाहरणों में, एक निर्वाचित जनप्रतिनिधि (या जनप्रतिनिधियों का एक समूह) उस राजनीतिक दल से अलग हो गया, जिसमें वे शामिल थे, और विधायक दल के एक-तिहाई सदस्यों का समूह बनाकर विभाजन की छूट का लाभ उठाया। फिर अलग हुए विधायकों के पूरे समूह का दूसरी पार्टी में विलय हो गया। यह मानते हुए कि वे पूर्ण रूप से विलय करेंगे, उन्होंने किसी अन्य पार्टी के साथ वैध-विलय को लागू करने के लिए दो-तिहाई सदस्यों की आवश्यकता को आसानी से पूरा कर लिया। उदाहरण के लिए, 1997 में यूपी के जनता दल विधायक राजाराम पांडे ने दो अन्य लोगों के साथ मिलकर जेडी (राजाराम) गुट बनाने के लिए पार्टी में विभाजन कराया। 2000 में जेडी (राजाराम) का लोजपा में विलय हो गया। 2002 में राजाराम पांडे ने लोजपा से अलग होकर लोजपा (राजाराम) गुट बना लिया। अंत में पांडे 2003 में सपा में शामिल हो गए। ऐसा ही पैटर्न लोकसभा और हरियाणा विधानसभा में भी देखने को मिला। मार्च 1992 में लोकसभा सांसद भूपतिराजू विजयकुमार राजू ने तेलुगु देशम पार्टी से अलग होकर टीडीपी (वी) का गठन किया। कुछ ही महीनों के भीतर अगस्त 1992 में उन्होंने पूरे गुट का कांग्रेस (आई) संसदीय दल में विलय कर दिया। इसी तरह हरियाणा में करतार सिंह भड़ाना और 16 अन्य विधायकों ने 13 अगस्त 1999 को हरियाणा विकास पार्टी से अलग होकर एचवीपी (डेमोक्रेटिक) का गठन किया और 3 दिनों में हरियाणा लोकदल में विलय कर लिया। यह बताता है कि कैसे विभाजन और विलय अक्सर तेजी से होते हैं, कभी-कभी तो एक ही दिन में भी जैसे यूपी विधानसभा से मित्रसेन यादव ने 4 मार्च 1994 को सीपीआई से अलग होने का फैसला किया और उसी दिन सपा में विलय कर लिया। इन मामलों में विधायकों द्वारा कई बार पार्टी बदलने के बावजूद वे अपात्र घोषित नहीं हुए। महाराष्ट्र में दो अवसरों पर अपात्रता से बचने के लिए एक नया पैटर्न तैयार किया गया, जिसे ह्यविभाजन के बाद विलय नहीं कहा जा सकता है।

जनकपुरी में भव्य शिविर समापन समारोह संपन्न

आचार्य शशांक सागर जी ने सभी विद्यार्थियों को दिया मंगल आशीर्वाद। कणिका, दीपिका, छाया, आकांक्षा व इवान रहे प्रथम। लघु नाटिका में आचार्य विद्यासागर के जन्म व बाल्य काल को दिखाया गया। अधिष्ठात्री व विदुषियों का विद्यार्थियों द्वारा किया गया सम्मान

जयपुर. शाबाश इंडिया

जनकपुरी - ज्योति नगर जैन मंदिर में श्री दिगंबर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर के अंतर्गत संचालित संत श्री सुधासागर आवासीय कन्या महाविद्यालय के तत्वावधान में 15 मई से आयोजित श्रमण संस्कृति संस्कार शिक्षण शिविर का समापन भव्य समारोह के साथ आचार्य श्री शशांक सागर जी के पावन सानिध्य में हुआ। समारोह विदुषियों द्वारा प्रार्थना व रमेश राज चौधरी परिवार व प. प्रभु लाल जैन परिवार द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ शुरू हुआ तथा मंगलाचरण विधि व रियांशी ने प्रस्तुत किया। प्रबंध समिति अध्यक्ष पदम जैन बिलाला के अनुसार समारोह में विदुषि नेंसी ने द्रव्य संग्रह में प्रथम कणिका, द्वितीय निकिता व तृतीय चन्द्रमणि को तथा छहढाला में प्रथम छाया, द्वितीय अंजू व तृतीय सुशीला को घोषित किया । विदुषी प्रिंसी ने इष्टोपदेश में प्रथम दीपिका , द्वितीय रीतिका व तृतीय प्रिया को तथा विदुषी आराध्या ने सिद्धांत प्रवेशिका में प्रथम आकांक्षा द्वितीय स्वेता व तृतीय अर्पित को बताया । बच्चों में प्रथम इवान द्वितीय गिविथा व तृतीय सूर्यश को विदुषी सौम्या ने बताया । सभी का जबरदस्त तालियों से अभिनंदन किया गया । इसके पूर्व जनकपुरी में चल रही पाठशाला व इस शिविर के संबंध में जानकारी दी गई तथा बताया गया कि इन सबका सम्मान एक जून को आयोजित बिरला सभागार में सामूहिक समापन समारोह में होगा। सन्त सुधासागर कन्या महाविद्यालय की अधिष्ठात्री शीला ड्योडा ने संस्थान के शिविर के प्रचार प्रसार संयोजक के रूप में पदम जैन बिलाला को नामित करते हुए कहा कि धर्म की प्रभावना जनकपुरी में इसी तरह बहती रहे तथा युवा इससे जुड़े रहे। इस समय संस्थान के मानद मंत्री सुरेश कासलीवाल व संयोजिका विनीता बोहरा की गरिमामय उपस्थिति रही। विदुषियों व अधिष्ठात्री शीला ड्योडा व अतिथियों का सम्मान तिलक माला दुपट्टा व साफा पहनाकर देवेंद्र कासलीवाल राजेंद्र ठोलिया सुरेश शाह सोभाग अजमेरा, जे के जैन, अनिता, दीपिका, छाया, कणिका, आकांक्षा, सुशीला, सोहनी देवी आदि द्वारा किया गया। इधर आचार्य विद्यासागर जी के जीवन पर लघु नाटिका का सुंदर मंचन किया गया जिसमे उनके जन्म व बाल्य काल को दशार्या गया । नाटिका में प्रखर , अंजू , मंजू , अनिता , स्नेहलता , पुष्पा, बिना सुलोचना, अर्चना आदि ने भूमिका निभाई तथा स्वेता ने सूत्रधार का कार्य किया। आचार्य शशांक सागर जी ने अपने आशीर्वचन में विदुषियों द्वारा कुछ पल जिनेंद्र व जिनवानी के लिए दिये जाने की सराहना की तथा सभी विद्यार्थियों को जिन्होंने भी इस शिविर में भाग लिया है को आशीर्वाद प्रदान किया। इधर समिति अध्यक्ष द्वारा आचार्य श्री का आभार व्यक्त करते हुए सभी को सादर धन्यवाद दिया।

श्रमण संस्कृति संस्कार शिक्षण शिविर मोहनबाड़ी में समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन मंदिर मोहनवाडी जयपुर में दिनांक 15 मई से 28 मई तक संत श्री सुधासागर महिला महाविद्यालय एवं छात्रावास की बहिनो के सहयोग से ग्रीष्मकालीन श्रमण संस्कृति संस्कार शिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। मंदिर समिति के अध्यक्ष राजेन्द्र बिलाला ने बताया कि इस शिविर मे बच्चो को जैन धर्म शिक्षा भाग एक, भाग दो, भाग तीन एवं द्रव्य संग्रह का अध्ययन कराया गया।मंदिर समिति के मानद मंत्री नरेन्द्र बाकलीवाल के अनुसार सभी कक्षाओं में प्रथम द्वितीय तृतीय स्थान एवं सांत्वना पुरस्कार प्राप्त करने वाले शिविरारथियो को श्रेष्ठी कपूर चंद संतोष कसेरा परिवार की ओर से विशेष पुरस्कार प्रदान किये गये। साथ ही अध्ययन कराने वाली बहिनो सुश्री आस्था जैन रिया जैन आर्ची जैन का समाज द्वारा स्वागत किया गया।समापन सत्र का संचालन पं प्रद्युम्न कुमार शास्त्री ने किया।

आर्यिका 105 नंदीश्वर मति माताजी को पावन चातुर्मास 2024 के लिए चढ़ाया श्रीफल

फागी. शाबाश इंडिया

आचार्य श्री भरत सागर जी महाराज के कर कमलों से दीक्षित बाल ब्रह्मचारिणी आर्यिका 105 श्री नंदीश्वर मति माताजी का फागी कस्बे में पावन चातुर्मास 2024 की स्वीकृति लेने हेतु अग्रवाल समाज फागी के अध्यक्ष महावीर झंडा की अगुवाई में श्रद्धालुओं का एक दल मंडाभीमसिंह गया जहां पर विराजमानआर्यिका 105 नंदीश्वर मति माताजी को फागी में पावन चातुर्मास 2024 हेतु जयकारों के साथ सामूहिक रूप से श्रीफल भेंट कर मंगलमय आशीर्वाद प्राप्त किया, कार्यक्रम में जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने अवगत कराया कि उक्त अवसर पर सकल जैन समाज फागी के तत्वाधान में पावन चातुर्मास 2024 के लिए पूज्य गुरु मां के श्री चरणों में निवेदन किया और भावना भायी की, माताजी इस साल का पावन वर्षायोग फागी नगर में ही हो, पूज्य माताजी ने मुस्कराते हुए मोन स्वीकृति प्रदान कर आश्वासन दिया है। परंतु पूज्य गुरु मां ने फागी समाज के मनोभाव की भक्ति को देखते हुए आशीर्वाद जरूर प्रदान किया कि अगर आपका पुण्य प्रबल होगा तो जरूर ही हमारा वर्षायोग फागी नगर में होगा। पूज्य माता जी के इस उद्बोधन सभी श्रावकों को अत्यंत हर्ष का अनुभव हुआ, उसके पश्चात आर्यिकाश्री की संघस्थ बाल ब्रह्मचारी करुणा दीदी और दीपा दीदी के निर्देशन में गुरु मां की मंगल आरती की गई तत्पश्चात गुरु भक्ति हुई और पूज्य गुरु मां का आशीर्वाद लेकर सभी श्रावकों ने आशातीत प्रबल दृढ़ भावना को अपने हृदय में समाहित किया ।

धार्मिक संस्कार शिक्षण शिविर-2024

पुरस्कार वितरण एवं सम्मान समारोह

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगम्बर जैन महासमिति पश्चिम संभाग की कीर्ति नगर इकाई द्वारा धार्मिक संस्कार शिक्षण शिविर का आज पुरस्कार वितरण एवं सम्मान समारोह जैन भवन, कीर्ति नगर , जयपुर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि इकाई अध्यक्ष भागचन्द -कांता बाकलीवाल थे। इस कार्यक्रम में पश्चिम संभाग के अध्यक्ष निर्मल संधी, मंत्री महेन्द्र कुमार छाबडा, प्रबन्धकारिणी समिति के महामंत्री जगदीश जैन, कोषाध्यक्ष सुरेन्द्र कुमार गोधा, महिला मण्डल की अध्यक्ष श्रीमती कांता सौगाणी, महामंत्री रीटा छाबडा उपस्थित थी। कार्यक्रम संयोजक रमेश पाटनी ने शिविर की विस्तार से जानकारी दी। उसके बाद सर्वप्रथम शिविर की शिक्षिकाएं श्रीमती प्रीति पाटनी, श्रीमती आशा बजाज, श्रीमती पूनम तिलक, श्रीमती अनिता छाबडा, श्रीमती अनिता बैद, श्रीमती आशा लुहाडिया एवं श्रीमती प्रतिभा जैन गोधा का सम्मान किया गया। इसके बाद शिविर की परीक्षा में सम्मिलित सभी शिविरार्थियों का पुरस्कार देकर सम्मान किया गया।इसके अलावा प्रथम, द्वितीय, तृतीय भाग, छहढाला एवं तत्वार्थ सूत्र में प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले सभी शिविरार्थियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। प्रबन्धकारिणी समिति के महामंत्री जगदीश जैन ने अपने उद्बोधन में कहा कि बच्चों को प्रतिदिन देवदर्शन के लिये आना चाहिये एवं सप्ताह में एक दिन मंदिर जी में पूजन अभिषेक अवश्य करनी चाहिये जिसके लिये अभिभावकों को बच्चों को प्रेरित करना होगा । अंत में इकाई सचिव राजकुमार जैन ने धन्यवाद देते हुये सभी का आभार व्यक्त किया।

जैन धर्म के 11 वें तीर्थंकर श्रेयांसनाथ भगवान का मनाया गर्भ कल्याणक महोत्सव हर्षोल्लास पूर्वक

फागी. शाबाश इंडिया

कस्बे सहित परिक्षेत्र के चकवाडा, चौरू, नारेडा, मंडावरी, मेहंदवास, निमेडा, लसाडिया एवं लदाना सहित कस्बे के आदिनाथ मंदिर, बीचला मंदिर, मुनि सुव्रतनाथ दिगम्बर जैन मंदिर ,पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर सहित सभी जिनालयों में जैन धर्म के 11वें तीर्थंकर श्रेयांसनाथ भगवान का गर्भ कल्याणक महोत्सव हर्षोल्लास से मनाया गया। कार्यक्रम में जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने शिरकत करते हुए कहा कि कस्बे के मुनिसुव्रतनाथ जिनालय में आज प्रातः श्रावकों द्वारा श्रीजी का अभिषेक,शांतिधारा, अष्टद्रव्यों से पूजा-अर्चना करने के बाद नवदेवताओं की पूजा, विभिन्न तीर्थंकरों की पूजा करने के बाद विभिन्न पूवार्चार्यों की पूजा की गई बाद देश की सर्वोच्च साध्वी गणिनी प्रमुख आर्यिका ज्ञानमति माताजी, श्रुतमति माताजी, सुबोध मति माताजी, मुनिवर्य गुणसागर जी महाराज, के अर्घ्य चढ़ाकर जैन धर्म के 11वें तीर्थंकर श्रेयांसनाथ भगवान का गर्भ कल्याणक महोत्सव का सामूहिक रूप से जयकारों के साथ अर्घ्य अर्पित कर सुख समृद्धि की कामना की गई।कार्यक्रम में कार्यक्रम में कपूरचंद जैन नला ,मोहनलाल झंडा, भागचंद टीबा वाले,महावीर कठमाणा,केलास कासलीवाल , हनुमान कलवाड़ा, प्रेमचंद कठमाना, हरकचंद झंडा, सोभामल सिंघल, पंडित संतोष बजाज, रमेश बजाज, महावीर बजाज, महावीर प्रसाद मोदी,पारस चोधरी, विमल कलवाडा, कमलेश झंडा, कमलेश चोधरी, विनोद कमल झंडा, पदम टीबा वाले,राकेश कुमार मांदी, अशोक कुमार मोदी, ज्ञानचंद हांडी गांव,सुशील कासलीवाल, जीतू मोदी, तथा प्रेमदेवी पंसारी, विमला मोदी,कमला कासलीवाल, मंजू झंडा, शोभा झंडा सहित सभी श्रावक श्राविकाएं मोजूद थे।

धार्मिक संस्कार शिविर 2 जून तक

अजमेर. शाबाश इंडिया

सर्वोदय कॉलोनी शांतिनाथ जिनालय में धार्मिक संस्कार शिविर 26 तारीख से 2 जून तक लगाया जा रहा है। रेनू पाटनी ने बताया कि राहतगढ़ से पधारे अंकित भैया के सानिध्य में धार्मिक शिविर का शुभारंभ हुआ पंडित आराध्य शास्त्री जी द्वारा अभिषेक पूजन के पश्चात 48 भक्तामर के काव्य पर स्वाध्याय गुणो की महिमा का वर्णन, आचार्य मांगतुंगाचार्य द्वारा बताया गया उनसे जुड़े लक्ष्यको समाज के द्वारा अवगत कराना पंडित अतिशय शास्त्री द्वारा बच्चों को नैतिक संस्कारों से अवगत कराना देव पूजा देव दर्शन विधि से अवगत कराना सांयकाल महाआरती छहढाला का आयोजन हो रहा है जिनालय मंत्री विनय गदिया व शिविर संयोजक विरेंद्र पाटनी मधु जैन ने बताया कि दीप प्रज्ज्वलित अशोक सुरलाया धन जी लुहाडिया द्वारा किया गया बच्चों को प्रतिदिन प्रभावी वितरण की जा रहीहै समाज के सभी लोग बड़े उत्साह के साथ भाग ले रहे हैं।

समय अच्छा तो सब अच्छा : गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी

शाबाश इंडिया। प. पू. भारत गौरव गणिनी आर्यिका 105 गुरुमाँ विज्ञाश्री माताजी ससंघ सान्निध्य में श्री नेमिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर नेमिसागर कालोनी जयपुर में धर्म की महती प्रभावना हो रही है। प्रातः कालीन मंगल पाठ श्री जिनसहस्त्रनाम मंत्रावली में अनेकों भक्तगण भक्ति का आनंद प्राप्त करते है। प्रभु के मस्तक पर अभिषेक एवं शांतिधारा करने का सौभाग्य राजेन्द्र सेठी, राजीव कासलीवाल ने प्राप्त किया। तत्पश्चात प्रभु एवं गुरुमाँ के चरणों में भक्ति भावों के साथ अर्घ्य समर्पित किए गये। प्रवचन सभा का प्रारंभ मंगलाचरण के साथ हुआ। दीप प्रज्वलन करने का सौभाग्य राजस्थान जैन सभा के मंत्री विनोद कोटखावदा वालों को प्राप्त हुआ। नेमिसागर समाज समिति के अध्यक्ष साहब जे. के. जैन ने पूज्य गुरुमाँ को प्रवचन हेतु निवेदन किया। वर्तमान परिपेक्ष्य में समय की उपयोगता पर विशेष चर्चा करते हुए माताजी ने कहा कि- समय सबसे अमूल्य चीज है। समय का उपयोग समय से करो तो समय का सार मिलेगा। समय पर किया गया काम समय को दिलाता है। समय को व्यर्थ गंवाने वाले लोग जीवन में सफलता हासिल नहीं कर पाते है। समय अच्छा हो तो सब अच्छा है और समय खराब हो तो सब खराब ही खराब है।

41 वें निशुल्क नेत्र जांच शिविर में 120 रोगियों की हुई जांच

जैन समाज कामां का सामाजिक सरोकार में योगदान

कामां. शाबाश इंडिया

सकल दिगंबर जैन समाज कामां के तत्वावधान में वेणु आई इंस्टीट्यूट हॉस्पिटल सराय देहली के सहयोग से बुधवार 29 मई को कामां के कोट ऊपर स्थित आदिनाथ दिगंबर जैन बड़ा मंदिर के प्रांगण में 41 वां निशुल्क नेत्र जांच एवं ऑपरेशन शिविर का आयोजन किया गया। शिविर संयोजक कपूर चन्द जैन काकाजी ने बताया कि मासिक नेत्र जांच शिविर के अंतर्गत 120 नेत्र रोगियों की निशुल्क नेत्र जांच की गयी तो मौके पर ही निशुल्क दवाएं भी वितरित की गयी। वही 19 रोगियों को लेंस प्रत्यारोपण हेतु रैफर किया गया। जांच शिविर में कामां के ही नहीं अपितु दूर दराज के रोगी भी जांच करवाने हेतु आते हैं। शिविर में डॉ अंकुर कुमार,डॉ स्वेता कुमारी ,गीतिका,वंशिका,लक्ष्मी,सुभाष यादव शिविर मैनेजर, अरुण कुमार सहित जैन समाज के युवाओं ने सहयोग प्रदान किया।

ज्ञात रहे जैन समाज जहां धार्मिक और सामाजिक गतिविधियों में अग्रणी भाग लेती है। वहीं सामाजिक सरोकार निभाने में भी पीछे नहीं रहती है। भीषण गर्मी में भी शिविर में रोगी उपस्थित रहे तो जैन समाज ने छाया पानी का पूर्ण इंतजाम किया।

प्रेषक:- सजंय जैन बड़जात्या

श्री सकल दिगम्बर जैन समाज ब्यावर द्वारा मुनि 108 श्री अनुपम सागरजी महाराज ससंघ को ब्यावर चतुर्मास के लिए श्री फल भेंट

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। सकल दिगंबर जैन समाज ब्यावर द्वारा भीलवाड़ा में विराजमान आचार्य श्री विशुद्ध सागरजी के शिष्य मुनि 108 श्री अनुपम सागर महाराज संसघ को सकल दिगम्बर जैन समाज ब्यावर द्वारा महाराज जी का अघ बोलते हुए ब्यावर चतुर्मास हेतु श्री फल भेंट कर निवेदन किया गया । इधर भीलवाड़ा समाज के सदस्यों ने ब्यावर समाज के सदस्यों का बड़े ही मनोभाव के साथ स्वागत अभिनंदन किया। इस अवसर पर श्री दिगंबर जैन पंचायत के अध्यक्ष अशोक काला मंत्री दिनेश अजमेरा, शशिकांत गदिया, कमल रांवका, मुकेश जैन, राजकुमार गोधा, अतुल पाटनी कल्पेश जैन श्रीपाल अजमेरा सुनील राँवका कमल जैन आनन्द गंगवाल जिनेंद्र फागीवाला पदम अजमेरा मनीष जैन चन्देश राँवका रमेश बाकलीवाल सहित श्री पार्श्वनाथ मन्दिर के अध्यक्ष संजय राँवका मारवाड़ी समाज के मंत्री नितिन छाबड़ा सहित सकल दिगम्बर जैन समाज के सदस्यगण उपस्थित थे।

मूकमाटी मंथन ग्रंथ का विमोचन

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। श्री दिगंबर जैन पंचायत नसियां में ग्रीष्मकालीन शिविर के दूसरे दिन अंकित जी शास्त्री ने मूक माटी स्वाध्याय का मंगलाचरण के साथ सत्र का प्रारम्भ किया। शास्त्री अंकित जी ने मूक माटी ग्रन्थ कि प्रस्तावना बताई,उन्होने बताया कि किसी भी शासन, धर्म या ग्रन्थ को समझने के लिये उसके दो पहलुओं को समझना है। **पहला दर्शन दूसरा आचार पक्ष समझना है:** वीतराग सर्वज्ञ शासन का दर्शन पक्ष वीतरागता,एवं आचार पक्ष कि प्रधानता अहिंसा है।अंकित जी ने बताया कि सर्वज्ञ कहते है कि इस संसार का न कोई निमार्ता है न ही नियता है न कोई संहारक है। सर्वज्ञ भगवान कहते है, हे भव्यात्मा तू आत्मा है, स्वयं के द्वारा किये गये अच्छे, बुरे परिणामो का स्वयं ही भोक्ता है। अपने स्वयं के द्वारा शुभ कार्य चाहे वह मानसिक हो वाचनिक हो कायिक हो, यदि पुण्य कर्मो का आश्रव का फल सुख देता है, एवं अपने स्वयं द्वारा किये अशुभ कार्य, चाहे मानसिक हो, वाचनिक हो, कायिक हो, पाप फल का आश्रव उदय आने पर दुःख ही देता है।

मूकमाटी मंथन ग्रंथ का विमोचन किया गया: विद्यासागर पाठशाला के बच्चों द्वारा मूकमाटी पर नृत्य की प्रस्तुति दी गई। प्रश्नोत्तरी के प्रायोजक घनश्यामदास कल्पेश जैन प्रभावना के प्रायोजक विजय कुमार विश्वास फागीवाला मनोज कुमार धीरज कासलीवाल ,कुमेश कार्तिक जैन परिवार थे। दिगंबर जैन पंचायत के अध्यक्ष अशोक काला मंत्री दिनेश अजमेरा विजय फागीवाला शशिकांत गदीया विकल कासलीवाल अमित गोधा कमल राँवका, राजेन्द्र गोधा, श्रीपाल अजमेरा , अतुल पाटनी, सुमन धगडा चंद्रप्रकाश गोधा महेश जैन आनन्द गंगवाल कल्पेश जैन संजय जैन पदम जैन रुपचनद कासलीवाल सुशील बड़जात्या टीकम चन्द छाबड़ा राजेश राँवका खेमराज बाकलीवाल रितेश फागीवाला राकेश गोधा सहित सकल दिगंबर जैन समाज के महिला पुरुष सदस्यगण उपस्थित थे।

अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज के प्रवचन

वक्त की एक आदत बहुत अच्छी है,
जैसा भी हो गुजर जाता है..
कामयाब इंसान खुश रहे ना रहे,
खुश रहने वाला इंसान कामयाब जरूर हो जाता है..!

पूरे दिन में कम से कम दिन का 24 वा भाग संतो के संग व्यतीत करना चाहिये और कभी संतों का सान्निध्य ना मिले तो बच्चों के साथ व्यतीत करना चाहिए। बच्चे तो तुम्हारे अपने ही घर के संत हैं। बच्चों में दो विशेषताएं होती है? वे किसी से बैर नहीं रखते हैं और झूठ नहीं बोलते। पूरे दिन में कम से कम घंटा भर तो बच्चों जैसा सरल होकर जीने की कोशिश करो। अगर आप दिन का 24 वा भाग बच्चों के साथ व्यतीत करेंगे, उनके साथ उठेंगे, बैठेंगे, उनके साथ नाचेंगे, गायेंगे, खायेंगे, पीयेंगे, खेलेंगे, कूदेंगे, हसेंगे, रोयेंगे, तो उन बच्चों जैसी ही सरलता, सहजता, निष्कपटता, तुम्हारे जीवन में प्रकट होगी। बच्चे तो तुम्हारे साथ 23 घंटे होते हैं। तुम भी तो 1 घंटा बच्चों के साथ होने की कोशिश करो। संत ना मिले तो बच्चों का ही सत्संग कर लो। जीवन सफल हो जायेगा। किसी ने पूछा कि सत्संग और मंदिर में क्या फर्क है? हमने कहा कि मंदिर में जाने से इच्छाओं की पूर्ति होती है और सत्संग में जाने से इच्छाओं का नाश होता है...! **-नरेंद्र अजमेरा, पियुष कासलीवाल औरंगाबाद।**

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

वरुण पथ जैन मंदिर में धार्मिक शिक्षण शिविर का हुआ समापन, बच्चों को पुरस्कृत कर किया उत्साहवर्धन

जयपुर. शाबाश इंडिया

मानसरोवर स्थित श्री दिगंबर जैन मंदिर में श्री दिगंबर महिला महासमिति संभाग मानसरोवर द्वारा श्री दिगंबर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर के निर्देशन में ग्रीष्मकालीन 15 दिवसीय धार्मिक संस्कार शिविर का समापन हुआ। विदुषी पायल दीदी, रिया दीदी, अर्पणा ठोलिया, मीनू गोधा,अनीता लुहाड़िया, बबिता जैन, कृष्णा जैन द्वारा प्रशिक्षित बच्चों को उनके परिणाम अनुसार समिति द्वारा पुरस्कृत किया गया। प्रथम पुरस्कार पाने वालों में मौखिक में अर्हत जैन, लिखित में नित्यम जैन, भाग 2 में साक्षी जैन, सिद्धांत प्रवेशिका भाग 3 में लवी जैन, छहढाला (1-2ढाल) संध्या जैन, छहढाला (3-4 ढाल) में मीनू जैन प्रथम रही। बबीता पाटनी ने बताया बच्चों ने इस अवसर पर धार्मिक नाटिका, भजन और नृत्य प्रस्तुत कर सबका मन मोह लिया। इससे पूर्व भगवान महावीर के चित्र का अनावरण पूरणमल अनोपड़ा व दीप प्रज्वलन सूचित सेठी दीपेश अजमेरा व इनकी टीम ने किया। अंजू जैन ने बताया कार्यक्रम का संचालन रजनी लुहाडिया ने किया व इस अवसर पर एम पी जैन, ज्ञान बिलाला, कैलाश चंद्र सेठी, सुनील गंगवाल, अनिल पाटनी, राजेंद्र सोनी, सतीश कासलीवाल, संतोष कासलीवाल, अजीत जैन, राकेश लुहाड़िया, संतोष कासलीवाल , सुचित सेठी, दीपेश अजमेरा, राजकुमार काला, सुनील बाकलीवाल, महावीर बड़जात्या, अनिल जैन, विवेक जैन, अंजू बज, अनूप पांड्या,अनीता जैन व समाज के गणमान्य लोग उपस्थित थे।

तीर्थंकर ग्रुप की धार्मिक यात्रा सम्पन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया। दुर्गापुरा जैन मंदिरजी से कुछ श्रावक-श्राविकायें एक दिवसीय धार्मिक यात्रा पर भगवान चन्द्र प्रभ जी के दर्शन कर निकले। सर्व प्रथम वे 500 वर्ष प्राचीन श्री दिगम्बर जैन मंदिरजी दयालपुरा(बस्सी) गये, यह मंदिर 500 वर्ष से ज्यादा प्राचीन है। इस मंदिर की सेवा-पूजा व रख-रखाव महावीर अनिल छाबडा परिवार के द्वारा की जाती है। यह मंदिर जयपुर से दौसा मार्ग पर दौसा से 10 किलोमीटर पहले खैरवाल ग्राम के सामने दयालपुरा गांव में हाइवे रोड से मात्र 2 किलोमीटर अन्दर पर स्थित है। अभी मंदिर जीर्णोद्धार की प्रतिक्षा में है।सभी सदस्य अपने वाहन से अभिषेक व शान्तिधारा करने पहुंचे।यंहा पहंच कर उन्होंने अभिषेक व शान्तिधारा की व महिलाओ ने भगवान चन्द्र प्रभ की पूजा व भक्तामर विधान किया। अन्त में सभी ने यथा योग्य शान्तिधारा की रकम जमा कराई व हर सम्भव सहयोग का आश्वासन दिया।मंदिर प्रबन्धक ने सभी का आभार व्यक्त किया व जलपान कराया। इस के बाद सदस्य भुसावल गये।यह तीर्थ मुनीश्री युधिष्ठिर सागर जी महाराज की प्रेरणा व आशीर्वाद द्वारा बनाया गया है।सदस्यों ने यहां दर्शन किए व महाराज से यंहा की भावी विकास की योजनाओं के बारे में पूछा। महाराज ने बताया की इस मंदिरजी को शीघ्र ही वातानुकूलित बनाया जायेगा, क्योंकि यंहा अभी भी टेम्प्रेचर लगभग 50 डिग्री चल रहा है।मंदिरजी के नीचे की मंजिल में भी भगवान विराजमान किये जायेंगे व अलग से संतशाला भी बनवाने की भविष्य की योजनायें है।सदस्यों ने सुबह का स्वादिष्ट भोजन वंहा की भोजनशाला में किया व दोपहर को ऐसी कमरों में रुके व सांय 4बजे रवाना हुये। वंहा से सीधे बसवा स्थित काला बाबा मंदिर गये। इस मंदिर का जीर्णोद्धार होने के बाद यंहा खूब धरमावलम्बी दर्शन के लिए आते हैं। ऊपर की मंजिल में सभी वेदियों के दर्शन कर श्रावक नीचे तलघर में दर्शन करने गये जंहा भगवान पार्श्वनाथ की श्वेतपाषाण की मनमोहक प्रतिमा के दर्शन कर आनन्दित हो गये,व इसी कमरे में रत्नों की चोबीसी के दर्शन किये फिर अगले कमरे में ओम व ह्रीम के दर्शन किये। ओम में 5गिलवर की प्रतिमायें बिराजमान है व आगे भी कमरों में निर्माणकार्य जारी है। सभी ने इन दर्शनों का पुण्यार्जन कर धर्म लाभ लिया।

फर्स्ट ओपन क्लासिकल एफआईडीआई रेटिंग चैस टूर्नामेंट 2024 का हुआ भव्य आगाज

जयपुर. शाबाश इंडिया। फर्स्ट ओपन क्लासिकल एफआईडीआई रेटिंग चैस टूर्नामेंट 2024 का जयपुर में 6 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद आज भव्य आगाज दिल्ली-अजमेर एक्सप्रेस-वे स्थिति होटल अमर पैलेस में किया गया। टूर्नामेंट का औपचारिक उद्घाटन पारंपरिक दीप प्रज्वलन और चैस के खेल में एक-एक चाल चलने के साथ राजस्थान सरकार के पूर्व मंत्री अरुण चतुर्वेदी और पूर्व भारतीय क्रिकेटर रणजी ट्रॉफी में 400 विकेट लेने वाले पहले तेज गेंदबाज पंकज सिंह द्वारा किया गय। अरुण चतुर्वेदी ने कहा, ''मैं इस तरह के शानदार आयोजन को देखकर बहुत खुश हूं, जहां 500 से अधिक प्रतिभागी 5 से 85 वर्ष की आयु के 300 से अधिक अंतरराष्ट्रीय रेटेड खिलाड़ियों के साथ प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। मैं भी आप सभी से चैस के कुछ गुर सीखना चाहूंगा, क्योंकि मैं एक कॉमर्स का छात्र था और फिर एक लॉ का, उसके बाद मैं राजनीतिज्ञ बना और राजनीति के गुर सीखे।'' पंकज सिंह ने कहा कि मैं देश भर से चैस के प्रति उत्साही और शौकीनों के साथ इस तरह के एक प्रसिद्ध आयोजन का हिस्सा बनकर बहुत खुश हूं। आयोजन सचिव जयेंद्र चतुर्वेदी ने बताया कि यह प्रतिष्ठित आयोजन 29 मई से 2 जून तक चलेगा। उल्लेखनीय है कि यह टूर्नामेंट राजस्थान चैस संघ और अखिल भारतीय चैस महासंघ (एआईसीएफ) के तत्वावधान में जयपुर जिला चैस संघ और केयर हेल्थ इंश्योरेंस के साथ मेडिकल पार्टनर, नारायणा हेल्थ और चाइल्ड हेल्थ केयर पार्टनर, नियो हॉस्पिटल के सहयोग से आयोजित हो रहा है।

आचार्य विद्यासागर जी चमत्कार नहीं करते थे उनके चरणों की धूल से चमत्कार हो जाते थे : मुनि श्री सुधासागर जी महाराज

दमोह. शाबाश इंडिया। जैन मुनि चमत्कार नहीं करते, चमत्कार उनकी चरणों की धूल में होता है, आचार्य विद्यासागर जी चमत्कार नहीं करते थे उनके चरणों की धूल से चमत्कार हो जाते थे। हमें भगवान नहीं भगवान की चरण की रज मिल जाए तो हमारे जीवन का कल्याण हो जाए भगवान और गुरु की चरणों की धूल बन जाओ तो जीवन में चमत्कार घटित हो जाएगा जीवन का कल्याण हो जाएगा मोक्ष महल का रास्ता मिल जाएगा हमारे जीवन में कोई ऐसा गुरु होना चाहिए जिसके लिए हम सब कुछ समर्पित कर दें उनके चरणों में सब कुछ अर्पित करने का मन बन जाए हमें ऐसा महसूस हो कि हम उनके चरणों में मिट जाएं भगवान भी वही बनते हैं जो चरणों की धूल बन जाते हैं, भक्त की यही भक्ति है जो उसे इतनी शक्ति प्रदान करती है की एक दिन उसे भगवान बना देती है प्रमोद भक्ति और आभार भक्ति के माध्यम से जीवन को उत्कृष्ट बनाया जा सकता है। उपरोक्त विचार निर्यापक मुनि श्री सुधा सागर जी महाराज ने दिगंबर जैन धर्मशाला में चल रहे शिविर के अंतिम दिवस भक्तामर की क्लास में अभिव्यक्त किये। इस मौके पर दिल्ली से पधारे श्रावक ने मुनि संघ का पद प्रक्षालन का सौभाग्य प्राप्त किया मुनि संघ को शास्त्र भेंट करने का सौभाग्य युगल विद्वान डॉ अभिषेक एवं डॉ आशीष के परिवार को प्राप्त हुआ इस अवसर पर आचार्य विद्यासागर व्रती आहारशाला समिति के द्वारा कुंडलपुर क्षेत्र कमेटी के पूर्व अध्यक्ष संतोष सिंघई को श्रावक शिरोमणि पुरस्कार प्रदान करने की घोषणा की। इसके अलावा दमोह के युगल विद्वान डॉ अभिषेक एवं डॉ आशीष जैन को विद्या रत्न अवार्ड से सम्मानित किया गया।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस (31 मई) पर विशेष

कैंसर रोग का जन्मदाता तंबाकू का नशा

विजय कुमार जैन राघौगढ़ म.प्र.

युवकों में नशे की प्रवृति निरंतर बढ़ रही है। बीड़ी-सिगरेट पीकर नशा करने की आदत किशोरावस्था में महाविद्यालयीन शिक्षा के दौरान बढ़ जाती है। मुंह से सिगरेट-बीड़ी लगते ही युवक किशोरावस्था में ही अनेक गंभीर बीमारियों को शरीर में जन्म दे देते हैं। वर्तमान में नशे के अनेक साधन उपलब्ध है। नशा करने बाले सिगरेट, बीड़ी, गुटखा, शराब, ब्राउन शुगर आदि का उपयोग जोर-शोर से कर रहे हैं। बीड़ी-सिगरेट में निकोटीन होता है, इसके नशे का सबसे पहले असर श्वसन प्रणाली पर पड़ता है इनके नशे का एक दुष्प्रभाव यह होता है कि यह आदत किशोरावस्था में लगती है और जीवन भर रहती है। यहाँ यह उल्लेखनीय है कि भारत में तंबाकू के पौधे को सबसे पहले पुर्तगाली यात्री वास्कोडिगामा लेकर आया था। तंबाकू के भारत में प्रवेश से पहले यहां प्राचीनकाल से भांग का नशा का किया जाता था। अन्य प्रकार के नशों की अपेक्षा भांग से कैंसर नहीं होता है। धूम्रपान करने बालों के फेफड़ों में कमजोरी आ जाती है,अथवा फेफड़ों में बीमारी प्रवेश कर लेती है। जबकि जो नशा नहीं करते हैं उन्हें यह स्थिति नहीं होती है। एक सर्वेक्षण के अनुसार यह आंकड़े सामने आये है कि पुरुषों में 50 प्रतिशत एवं महिलाओं में 20 प्रतिशत कैंसर तंबाकू के कारण ही होता है। 25 से 60 आयु समूह में मरने वालों में 25 प्रतिशत धूम्रपान के कारण मौत के मुँह में चले जाते है। यह भी उल्लेखनीय है कि धूम्रपान करने वालों में क्षय रोग टीबी की बीमारी के कीटाणु लगने की आशंका अन्य लोगों से चार गुना ज्यादा होती है। कैंसर इन्स्टीट्यूट नई दिल्ली के कैंसर चिकित्सा सेवा विभाग के निदेशक डॉ पुनीत गुप्ता ने कुछ समय पूर्व एक चर्चा के दौरान बताया तंबाकू की पत्तियों में करीब चार हजार रसायन होते हैं, जिनमें से 60 रसायन मनुष्य के शरीर में जाकर डीएनए, आर एन ए और प्रोटीन की संरचना में बदलाव करके गंभीर रोग कैंसर को पैदा करते हैं। डॉ. पुनीत गुप्ता के अनुसार जब तंबाकू से बने सिगरेट या सिगार को सुलगाया जाता है तो चार हजार रसायनों में से कुछ कैंसर जन्य रसायनों में बदल जाते हैं।जब तंबाकू का सेवन शराब के साथ किया जाता है तो कैंसर पैदा करने की उसकी क्षमता बहुत अधिक बढ़ जाती है। इसलिए तंबाकू का सेवन किसी भी रूप में घातक है। सिगरेट सिगार या बीड़ी का एक कश भी मानव शरीर के लिये हानिकारक है। एक सर्वेक्षण में यह तथ्य भी सामने आये है कि देश में तंबाकू का सेवन एवं धूम्रपान जानलेवा महामारी का रूप धारण कर चुका है। आम लोगों में इस बुरी आदत को छुड़ाने में मनोवैज्ञानिक उपचार कारगर साबित हुए है।

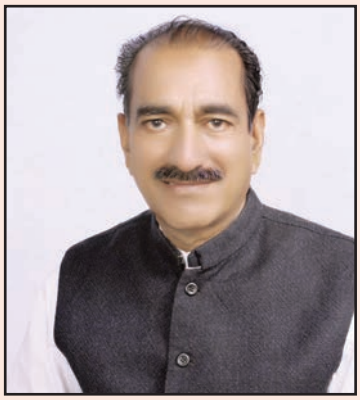

अनेक अध्ययनों से ऐसे प्रमाण मिले है कि मनोवैज्ञानिक उपाय एवं उपचार से धूम्रपान छोड़ने बालों की संख्या बढ़ रही है। रिपोर्ट में यह भी कहा है कि तंबाकू खाना पूरी तरह से बंद करने से कैंसर तथा पूर्व कैंसर के 60 प्रतिशत मामलों को रोका जा सकता है। सर्वेक्षण में यह भी उल्लेख किया है भारत में 12 करोड़ लोग धूम्रपान करते हैं और दुनियाभर में धूम्रपान करने बालों की संख्या के हिसाब से चीन के बाद हमारा भारत दूसरे स्थान पर है। एक अध्ययन के अनुसार धूम्रपान करने बालों की तुलना में कैंसर से मरने बालों की संभावना सात गुना अधिक होती है। यह भी कहा है शराब और अन्य नशीले पदार्थों के साथ तंबाकू का सेवन तंबाकू के दुष्प्रभाव को और बढ़ा देता है। 50 की उम्र के बाद धूम्रपान को रोकने पर कैंसर का खतरा आधा हो जाता है जबकि 30 की उम्र में धूम्रपान रोकने पर इसके सभी दुष्प्रभावों से बचा जा सकता है। विगत वर्षों भारत सरकार ने संसद में प्रस्तुत रिपोर्ट में जानकारी दी थी तंबाकू का बाजार विश्व स्तर पर हर वर्ष 8.5 प्रतिशत से बढ़ रहा है। भारत में भारत सरकार द्वारा हर वर्ष सिगरेट पर जी एस टी में वृद्धि करने के वावजूद सिगरेट की खपत में दिन रात वृद्धि हो रही है। यहाँ विशेष रूप से उल्लेख करना चाहेंगे कि धूम्रपान करना सिगरेट का कश लम्बे समय तक खींचकर नशा करने से अनेक बीमारियाँ मानव शरीर में प्रवेश कर जाती हैं। सिर, गले, फेफड़े, आहार नली, किडनी, पैक्रियाज,स्तन एवं सर्वाइकल में कैंसर हो सकता है। इसके अलावा हृदय रोग और स्ट्रोक के अलावा पैरों में वैस्कुलर रोग के खतरे बढ़ जाते है। इसका इलाज नहीं है। शासकीय दंत चिकित्सा महाविद्यालय इंदौर के रजिस्ट्रार एवं सुप्रसिद्ध दंत चिकित्सक मैक्सिलोफेशियल सर्जरी विभाग के प्रोफेसर डॉ अमित रावत से मेरी इस विषय पर विस्तार से चर्चा हुई आपका कहना है ओरल कैंसर भारत में एक बड़ी समस्या है, देश में शीर्ष तीन प्रकार के कैंसर में इसका स्थान है। डॉ अमित रावत ने बताया, "जब शरीर के ओरल कैविटी के किसी भी भाग में कैंसर होता है तो इसे ओरल कैंसर कहा जाता है। ओरल कैविटी में होंठ, गाल, लार ग्रंथिया, कोमल व हार्ड तालू, यूवुला, मसूडों, टॉन्सिल, जीभ और जीभ के अंदर का हिस्सा आते हैं। ओरल कैंसर आज हमारे देश की एक प्रमुख समस्या के रुप में बीमारी उभरी है सबसे ज्यादा पुरुषों में पाया जाता है इसका मुख्य कारण पान मसाला तंबाकू बीड़ी सिगरेट का प्रयोग करना है एल्कोहल भी इसका कारण है। ओरल कैंसर से पूरी तरह बचा जा सकता है। सभी का योगदान बहुत जरुरी है। तबाकू में करीब पांच सौ तरीके के हानिकारक तत्व होते हैं जिनमें से 50 ऐसे हैं जिन्हें हम कार्सिनोजन कहते है।कैसे होता है ओरल कैंसर-

1. स्मोकिंग-सिगरेट, सिगार, हुक्का, इन तीनों चीजों के आदी लोगों को एक नॉनस्मोकर के मुकाबले माउथ कैंसर होने का 6 फीसदी ज्यादा खतरा होता है।

2.तंबाकू-माउथ कैंसर होने का खतरा तंबाकू सूंघने, खाने या चबाने वाले लोगों को उनकी तुलना में 50 फीसदी ज्यादा होता है, जो तंबाकू यूज नहीं करते। माउथ कैंसर आम तौर पर गाल, गम्स और होंठों में होते हैं।

3. एल्कोहल-शराब पीने वालों को माउथ कैंसर होने का खतरा बाकी लोगों से 6 फीसद ज्यादा होता है। तम्बाकू सेवन युवा पीढ़ी के लिए अभिशाप है। वर्ष 2020 में **covid19** एबम ब्लैक फंगस के मरीजो में भी तम्बाकू उपयोग करने बाले लोगों को अधिक इन्फेक्शन हो रहा है। मेरे मित्र समाज सेवी एवं पिछले लगभग 30 वर्ष से ''गुटखा हानिकारक है'' नशा मुक्ति अभियान चला रहे माली कृष्ण गोपाल कश्यप जिन्हें उत्कृष्ट कार्य के विगत वर्ष मध्यप्रदेश शासन द्वारा महात्मा ज्योतिबा फुले राज्य स्तरीय सम्मान से सम्मानित किया है। कश्यप का कहना है वर्तमान में नशीले गुटखा पाउच का प्रचलन ज्यादा हो रहा है। गुटखा पाउच को सभी उम्र के लोग खा रहे हैं। गुटखा खाने से मुंह का कैंसर होता है। गुटखा में तंबाकू के साथ और भी नशीली वस्तुओं का मिश्रण किया जाता है। आपका कहना है गुटखा पाउच जिसे हम चाव से खाते है वह कैंसर को शीघ्र जन्म दे रहा है।

नोटः-लेखक स्वतंत्र पत्रकार एवं भारतीय जैन मिलन के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष है।

युवा पीढ़ी के बदलते और बिगड़ते आयाम

भारत की युवा पीढ़ी उत्साहपूर्ण और उद्यमशील है और हर क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। युवा वर्ग कल से बहुत उम्मीद करता है। आज, अगर कोई कमी है तो उसे सही समय पर मार्गदर्शन देने की जिम्मेदारी उनके माता-पिता, शिक्षकों और पूरे समाज की है। स्वामी विवेकानंद ने हमेशा देश की युवाओं को आगे बढ़ने की प्रेरणा दी, इसलिए हर बुद्धिजीवी नागरिक को अपने उच्च चरित्र के व्यक्तिगत उदाहरण से युवाओं को प्रेरणा देना चाहिए।

शाबाश इंडिया

युवा पीढ़ी किसी भी देश या समाज को बनाने या बिगाड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। युवा पीढ़ी में न सिर्फ उत्साह और उत्साह है, बल्कि नए विचारों को बनाने और बदलने की क्षमता भी है। वे कुछ करना चाहते हैं, और यदि युवा कुछ करने का मन बना लें तो कुछ भी असम्भव नहीं है। हमारे देश की लगभग 65 प्रतिशत आबादी 35 वर्ष से कम है। भारत को हर क्षेत्र में अग्रणी बनाने के लिए हमारे मेहनती और प्रतिभाशाली युवाओं को सही दिशा दी जा सकती है। भारत की युवा पीढ़ी उत्साहपूर्ण और उद्यमशील है और हर क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। युवा वर्ग कल से बहुत उम्मीद करता है। आज, अगर कोई कमी है तो उसे सही समय पर मार्गदर्शन देने की जिम्मेदारी उनके माता-पिता, शिक्षकों और पूरे समाज की है। स्वामी विवेकानंद ने हमेशा देश की युवाओं को आगे बढ़ने की प्रेरणा दी, इसलिए हर बुद्धिजीवी नागरिक को अपने उच्च चरित्र के व्यक्तिगत उदाहरण से युवाओं को प्रेरणा देना चाहिए। वर्तमान डिजिटल युग में युवा वर्ग बहुत से काम कर सकता है, लेकिन वे कभी-कभी भटक जाते हैं जब वे सोशल मीडिया का गलत प्रयोग कर नकारात्मक सोच पैदा करने लगते हैं। वे डिजिटल मीडिया के माध्यम से अनगिनत अपराध करते हैं और अपना जीवन बर्बाद करते हैं। वे इंटरनेट पर क्या देखते हैं और मजनूं की तरह व्यवहार करने लगते हैं। वर्तमान में यह भी देखा जाता है कि युवा वर्ग विदेशों में जाना पसंद करता है क्योंकि वहाँ आसानी से काम मिलता है, लेकिन वे शायद कभी नहीं सोचा होगा कि उनके माता-पिता के पीछे से कोई नहीं है। भारतीय युवा मेहनती और सस्ता होने के कारण दूसरे देश अधिक वेतन देते हैं। ऐसे युवा देश छोड़कर विदेशी बन जाते हैं। दिशाहीन युवा अक्सर अपने लक्ष्यों से भटक जाते हैं और कई बुरी आदतों का शिकार हो जाते हैं। इस प्रकार युवाओं की सूरत व सीरत, दशा व दिशा बदलने के लिए कुछ सुझाव दिए जा रहे हैं।

(1) युवा लोगों को श्रीकृष्ण की इन तीन बातों पर ध्यान देना चाहिए: (क) बड़ों का सम्मान करना और उनका आशीर्वाद पाना; (ख) अपने अहंकार और अहंकार को त्यागना; और (ग) जीवन में कड़ा परिश्रम करना। उन्हें याद रखना चाहिए कि एक कठोर पत्थर सिर्फ हथौड़े की चोट से टूटता है, इसलिए उन्हें लगातार मेहनत करनी चाहिए। जैसे थामस एडीसन ने बिजली के बल्ब को 700 बार प्रयास करने के बाद बनाया था, लोगों को अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए लगातार प्रयासरत रहना चाहिए।

(2) बुरा व्यवहार छोड़कर अच्छा व्यवहार करना चाहिऐ याद रखें कि खुली हवा में लोहा जंग लगता है, लेकिन आग से गुजरने पर वह स्टील बन जाता है। उन्हें एक लक्ष्य बनाना चाहिए, नहीं तो उनका प्रयास बेकार जाएगा, जैसे पानी की तलाश में एक ही जगह गहरा कुआं न खोदकर कई जगह खाइयां खोदने से कुछ नहीं मिलता।

(3) अपनी आत्मा को समझें, अपने अस्तित्व और क्षमता को समझें।

(4) समय बर्बाद न करना सीखें और समय को संभालना सीखे ध्यान रखें कि एक बार बहते हुए नदी के पानी को फिर से छुआ नहीं जा सकता, क्योंकि समय किसी का इंतजार नहीं करता।

(5) अपने आत्मविश्वास को बनाए रखें, क्योंकि आपको जीवन में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा।

(6) जीवन में चार बड़े सुख हैं: पत्नी, परिवार, दोस्त, धन-दौलत और स्वास्थ्य। माना जाता है कि सबसे बड़ा सुख स्वस्थ होना है, इसलिए अपने आप को मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ रखें. अगर आप स्वस्थ नहीं हैं, तो आप बाकी सुखों का आनंद नहीं ले पाओगे।

(7) उड़ती पतंग की तरह आपकी डोर कभी भी टूट सकती है, इसलिए विनम्र रहें और जमीन से नाता न तोड़ें। फल चाहते हैं तो कांटों का सामना करना होगा। केवल वे लोग जो सफर की शुरूआत करते हैं, ही अपनी मंजिल पा सकते हैं। हार के बाद जीत उसी तरह होती है जैसे अंधेरे से प्रकाश निकलता है।

(8) अपने माता-पिता और शिक्षकों का सम्मान करें हमारे माता-पिता बहार हैं, जिस पर फिजा एक बार आ जाए तो फिजा दोबारा नहीं आती। याद रखें कि माता-पिता की मृत्यु के बाद जगह अंधेरी लगती है।

यह पक्षी उड़ने के बाद वापस नहीं आते। सहारा देने वाले जब खुद सहारा खोजते हैं, और बोलना सिखाने वाले जब खुद खामोश हो जाते हैं, तो अलफाज और आवाज दोनों बेकार हो जाते हैं। यही कारण है कि हमेशा अपने माता-पिता का कर्ज चुकाने का स्मरण रखें।

-मयंक जैन मंगलायतान , अलीगढ़ यूनिवर्सिटी यू पी